रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका पांचवे स्तंभ के रूप में अत्यन्त महत्वपूर्णः कुलपति प्रो. मिश्र
मानव संसाधन विकास केन्द्र में एक सप्ताह के प्रशिक्षण कोर्स का समापन

जबलपुर 04 जनवरी। विश्वविद्यालय के यू.जी.सी. मानव संसाधन विकास केन्द्र (एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज) में आज शोध प्रविधि विषय पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन माननीय कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्र की अध्यक्षता, प्रो. एस.के. शुक्ल, डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि., सागर के विशिष्ट आतिथ्य एवं मानव संसाधन विकास केंद्र की प्रभारी निदेशक डॉ. राजेश्वरी राणा की उपस्थिति में सम्पन्न किया गया।

अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि शिक्षक अपने पुरुषार्थ से राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देता है। राष्ट्र निर्माण में शिंक्षक की भूमिका पांचवे स्तंभ के रूप में अत्यत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. शुक्ल ने कहा कि शिक्षकों को शोध कार्य में गंभीर होकर कार्य करना होगा।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए केंद्र की प्रभारी निदेशक डॉ. राजेश्वरी राणा ने बताया कि विश्वविद्यालय के यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र में 30 दिसम्बर, 2019 से 4 जनवरी, 2020 तक आयोजित एक सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हरियाणा, असम, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 40 शिक्षक प्रतिभागीगण ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन केंद्र के सहायक संचालक डॉ. संजीव पाण्डेय ने किया।

ग्रंथालय उन्नयन के संबंध में बैठक का आयोजन
नैक उत्कृष्टता हेतु प्रशासनिक कसावट जरूरी–कुलपति प्रो. मिश्र

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र एवं प्रभारी ग्रंथालय प्रो. राजीव दुबे की उपस्थिति में ग्रंथालय के उन्नयन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मान. कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि नैक में उत्कृष्ट ग्रेड प्राप्त करने हेतु प्रशासनिक कसावट जरूरी है। कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने विभागों से कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने वालों की जानकारी प्राप्त होने पर स्पष्ट शब्दों में संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के संकेत दिये।

बैठक में नैक ग्रेडिंग को दृष्टिगत रखते हुए लाइब्रेरी के आटोमेशन, पुस्तकों की कैटलागिंग के साथ–साथ साफ–सफाई पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही विश्वविद्यालय के विकास के महत्वपूर्ण विषयों कम्प्यूटरीकरण, कम्प्यूटर सामग्रियों के अपग्रेडेशन एवं टेन्डर प्रक्रिया को त्वरित गति देने पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर प्रभारी विकास विभाग प्रो. पी.के. सिंघल, वि.वि. यंत्री श्री विनोद जारोलिया, अतिथि विद्वान डॉ. सत्यप्रकाश त्रिपाठी,, तकनीकी अधिकारी डॉ. डी.पी. प्रिंजे एवं भण्डार विभाग के श्री ओम प्रकाश यादव उपस्थित रहे।